दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 22 नवंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 55

महत्वपूर्ण एवं खास

यमुना एक्सप्रेसवे पर कार में लगी आग, दो लोगों की जलकर मौत

लखनऊ (आरएनएस)। यमुना एक्सप्रेस वे पर एक स्विफ्ट डिजायर कार ट्रॉली से टकरा गई। जिसके चलते कार में आग लग गई और इस हादसे में दो लोग जिंदा जल गए। कार की आगे की सीट पर बैठे दो लोगों की झुलसकर मौत हो गई। मृतक दिल्ली के रहने वाले थे। पीड़ित नोएडा से आगरा की ओर आ रहे थे। नोएडा से आगरा की ओर आने वाला यातायात कुछ घंटों के लिए बाधित रहा। पुलिस ने वाहन नंबर के आधार पर पीड़ितों की पहचान कर ली है। पुलिस ने बताया कि मृतक लाला और सोनू कुमार हैं, दोनों पूर्वी दिल्ली के पश्चिमी करावल नगर के रहने वाले हैं। उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है।

झारखंड के चतरा और गुमला में पांच नक्सली गिरफ्तार, कई हथियार भी बरामद

रांची (आरएनएस)। झारखंड पुलिस ने गुमला और चतरा जिले में अलग-अलग कार्रवाई में पांच हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हथियार और कई मोबाइल बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों जगहों पर नक्सली आपराधिक वारदात की योजना बना रहे थे। गुमला जिले के बसिया थाना इलाके में की गई छापामारी में प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के प्रेम लोहरा, बसंत लोहरा और कुलदीप केरकेट्टा को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्टल, कुछ कारतूस और 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी बसिया थाना प्रभारी की अगुवाई वाली टीम ने किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान विक्की गंझू, सुनील गंझू उर्फ चंदू गंझू के रूप में हुई है। इनके खिलाफ खलारी और पिपरवार थाने में दर्ज हिंसा और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज थे।

फिर से जेल जा सकते हैं राजीव गांधी के हत्यारे, रिहाई के फैसले को चुनौती देगी कांग्रेस

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को जेल से रिहा करने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। आरोपियों को हाल ही में जेल से रिहा किया गया था। वहीं हाल ही में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दाखिल की है। पिटिशन में केंद्र ने बड़े दमदार तरीके से दलील रखी है कि क्यों पूर्व पीएम के कातिलों की रिहाई नहीं होनी चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट रिव्यू पिटिशन सुनता है और केंद्र की दलीलों से संतुष्ट होता है तो राजीव गांधी के कातिलों को फिर से जेल जाना पड़ेगा। केंद्र ने अपनी याचिका में कहा है कि 6 दोषियों- नलिनी श्रीहरन, संथन उर्फ रविराज, गुरुगन, रॉबर्ट पायस, जयाकुमार और रविचंद्रन उर्फ रवि की रिहाई के आदेश की तुलना इसी मामले के एक और दोषी एजी पेरारिवलन की रिहाई के दिए पहले के आदेश से नहीं की जा सकती। पेरारिवलन भारतीय नागरिक था जबकि अभी जिन 6 दोषियों को रिहाई किया गया, उनमें 4 विदेशी हैं। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत ने नलिनी श्रीहरन सहित छह दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आदेश दिया था।य न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार की अपराधियों की सजा में छूट की सिफारिश के आधार पर ये आदेश दिया था।

पूर्व मंत्री सिंघार के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार के दौरान मंत्री रहे कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक उमंग सिंघार के खिलाफ उनकी पत्नी की शिकायत पर दुष्कर्म समेत अन्य कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज एक बयान जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस सचिव और गुजरात चुनाव में सह प्रभारी, विधायक उमंग सिंगार के खिलाफ धार के नौगांव थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। उनकी पत्नी ने दुष्कर्म, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि विधायक पर आरोप है कि पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पीछे विधायक निवास में उमंग सिंघार ने नवंबर 2021 से लेकर 18 नवंबर 2022 के बीच महिला के साथ दुष्कर्म किया और मारपीट कर अभद्र व्यवहार भी किया। विधायक पर अप्राकृतिक कृत्य किए जाने का भी आरोप लगा है। नौगांव पुलिस ने इन सभी आरोपों के आधार पर उमंग सिंगार के खिलाफ आइपीसी की धारा 376, 377 और 498 के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

शोभायात्रा में अनियंत्रित ट्रक के घुसने से 15 लोगों की मौत

❑ **प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने जताया शोक**

हाजीपुर (आरएनएस)। बिहार के वैशाली जिले के देसरी थाना अंतर्गत सुल्तानपुर गांव के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक के अनियंत्रित होकर एक शोभायात्रा (धार्मिक कार्यक्रम) में घुस जाने पर महिलाओं और 6 बच्चों सहित कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस घटना पर शोक जताया है.

राज्य की राजधानी पटना से लगभग 30 किलोमीटर दूर वैशाली जिले में यह हादसा रात करीब नौ बजे उस समय हुआ जब लोग एक स्थानीय देवता भूमिया बाबा की पूजा करने के लिए सडक़ के किनारे एक पीपल के पेड़ के सामने एकत्र हुए थे. स्थानीय राजद विधायक मुकेश रौशन ने मौके पर पहुंचकर कहा कि 12 लोगों की मौत हो गई है. नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया. हालांकि अब यह संख्या बढक़र 15 हो गई है.

वैशाली के पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने कहा कि शादियों से जुड़े रिवाज के तहत बारात निकाली गई थी. पास के सुल्तानपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के घर कुछ दिनों में शादी तय थी. बगल के महनार-हाजीपुर हाईवे पर तेज गति से आ रहे ट्रक के चालक ने नियंत्रण खो दिया. ट्रक चालक को हम क्षतिग्रस्त वाहन से निकालने की कोशिश कर रहे हैं, उसकी भी मौत हो जाने की आशंका है. इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई, अपनों को खोने वाले सडक़ किनारे खड़े होकर बिलखते दिखे. कई अन्य लोगों ने गुस्से में नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि पुलिस काफी देर से पहुंची.

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमने बचाव कार्य में तेजी लाने और कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आसपास के कई थानों से पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है.

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से ट्वीट किया गया कि बिहार के वैशली की दुर्घटना दुखद है. शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना. ईश्वर घायल लोगों को शीघ्र स्वस्थ करे. मृतकों के हर परिवार को प्राधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी. प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये दिये जाएंगे.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार ट्रक के चपेट में आने से लोगों की मौत से मर्माहत हैं. उन्होंने इस घटना को दुखद बताते हुए मृतकों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की. मुख्यमंत्री ने निर्धारित मानक प्रक्रिया के अनुरूप मृतकों के परिजनों को अविलंब अनुग्रह राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. मुख्यमंत्री ने सभी घायलों के समुचित इलाज के भी निर्देश दिए हैं और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है.

पुणे में बेकाबू कंटनेर ने 48 वाहनों को मारी टक्कर, 50 से ज्यादा लोग घायल

पुणे (आरएनएस)। पुणे की सडक़ पर एक तेज रफ्तार बेकाबू कंटेनर ट्रक ने 48 वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें 50 लोग घायल हो गए। यह घटना बीती रात करीब 8.30 बजे व्यस्त नावले ब्रिज पर हुई, जिससे पूरे शहर में ट्रैफिक अस्त-व्यस्त हो गया। संदिग्ध ब्रेक फेल होने के कारण एक कंटेनर सडक़ पर वाहनों में जा घुसा, जिससे दोनों ओर का सारा यातायात रुक गया। सभी गाडिय़ां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस घटना में करीब 50 लोगों को चोटें आई हैं और उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। हालांकि, छह से आठ अन्य लोगों को इलाज के लिए दो अस्पतालों में शिफ्ट कर दिया गया है। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी की जान नहीं गई। दमकल, पुणे पुलिस और बचाव दल वाहनों के पुल को साफ करने के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंचे, कई बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दमकल विभाग ने कंटेनर ट्रक की चपेट में आए वाहनों से रिस रहे तेल और पेट्रोल के पुल को साफ करने के लिए पानी का छिडक़ाव भी किया।

राजस्थान में एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत, घर में फंदे से लटके मिले पति-पत्नी और 4 बेटों के शव

उदयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के उदयपुर में उस समय सनसनी फैल गई जब यहां के एक गांव में सोमवार सुबह एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत की खबर सामने आई। इस खबर के बाद पूरे गांव में हडक़ंप मच गया। पति-पत्नी और उनके चार बेटे अपने ही घर में फांसी के फंदे पर लटके मिले। मौके पर पहुंची पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है। लाशों को उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना उदयपुर में गोगुंदा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, झाड़ोली पंचायत के गोल नेड़ी गांव में प्रकाश प्रजापत (30), उसकी पत्नी दुर्गा बाई (27) और चार मासूम बेटे सोमवार को अपने आधे पक्के व आधे कच्चे मकान में फांसी के फंदे पर लटके हुए मिले। इन चारों बेटों में सबसे बड़ा बेटा 8 साल, दूसरे नंबर का बेटा 5 साल, तीसरे नंबर का बेटा 3 साल और सबसे छोटा बेटा 2 साल का है। मृतक के भाई को सबसे पहले इस वारदात की जानकारी मिली और उसने ही पुलिस और गांववालों को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि प्रकाश ने अपनी पत्नी और 4 बेटों की को फांसी के फंदे पर लटकाने के बाद खुद भी खुद भी खुदकुशी कर ली। सुबह जब परिवार के अन्य सदस्यों को पता चला तो आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई।

झाड़ोली पंचायत के सरपंच पदमाराम ने बताया कि वो सुबह करीब साढ़े नौ बजे पंचायत मुख्यालय पर आए तो कुछ लोगों ने बताया कि नेड़ी गांव में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। यह खबर सुनकर मैं भी मौके पर आया हूं। पुलिस शवों का पंचनामा तैयार कर रही है।

गांववालों के मुताबिक, प्रकाश कमाने के लिए बाहर जाता था। नवरात्रि पर वह घर लौटा था, उसके बाद वह बाहर नहीं गया। परिवार में झगड़े के बारे में भी किसी को कोई खबर नहीं है। पुलिस के अनुसार, दोपहर तक पोस्टमॉर्टम होगा।

पटरी से उतरी मालगाड़ी, 3 लोगों की मौत, 7 अन्य घायल

जाजपुर (आरएनएस)। ओडिशा के जाजपुर जिले के कोरेई रेलवे स्टेशन पर सोमवार को एक मालगाड़ी बेपटरी होकर प्लेटफॉर्म तथा प्रतीक्षालय से टकरा गई, जिससे वहां खड़े यात्री उसकी चपेट में आ गए। हादसे में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूर्वी तटीय रेलवे (ईसीओआर) के अधिकारियों ने बताया कि हादसा सुबह करीब छह बजकर 44 मिनट पर हुआ, जब कुछ लोग प्लेटफॉर्म पर यात्री ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। स्टेशन के कर्मचारियों ने बताया कि डांगोवापोसी से छत्रपुर जा रही खाली मालगाड़ी के 'लोको पायलट (ट्रेन चालक) के अचानक से ब्रेक लगाने से उसके 8 डिब्बे पटरी से उतर गए और प्लेटफॉर्म तथा प्रतीक्षालय से टकरा गए। इससे वहां मौजूद कुछ लोग इसकी चपेट में आ गए। बचाव अभियान पर नजर रखने वाले जाजपुर के अपर जिलाधिकारी अक्षय कुमार मलिक ने बताया कि कुछ डिब्बे 'फुट-ओवर-ब्रिज पर जा चढ़े और प्रतीक्षालय तथा टिकट खिडक़ी पर गिर गए। हादसे में एक मां-बेटी की मौत हो गई। वहीं हादसे में उनके साथ मौजूद ढाई वर्ष का एक बच्चा बाल-बाल बच गया। हादसे में अपनी पत्नी और बेटी खोने वाले व्यक्ति ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें मलबे में और लोगों के दबे होने का संदेह है। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में स्टेशन परिसर को भी काफी नुकसान पहुंचा है। सोशल मीडिया पर प्रसारित हुए घटना के वीडियो में पटरी से उतरे डिब्बे प्लेटफॉर्म पर नजर आ रहे हैं। कुछ डिब्बों ने 'फुट-ओवर-ब्रिज के एक द्वार को क्षतिग्रस्त कर दिया, जबकि अन्य ने बिजली की तारों को तोड़ दिया। स्टेशन परिसर की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं। वीडियो में मौके पर मौजूद स्थानीय लोग भी मलबा हटाने में मदद करते और उसके नीचे लोगों को ढूंढते नजर आ रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रेलवे के अलावा ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ), दमकल सेवाएं और स्थानीय लोग बचाव कार्य में जुटे हैं। ईसीओआर ने मदद के लिए आपात 'हेल्पलाइन नंबर 8455889905 (कोरेई स्टेशन), 0674-2534027 (भुवनेश्वर) और 0674-2492245 (खुर्दा रोड) जारी किए हैं।

मथुरा में ट्रॉली बैग में मिली लाश की शिनाख्त हुई, पिता ने की थी हत्या

मथुरा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर राया कट के पास लाल रंग के ट्रॉली बैग में मिली युवती की लाश मामले का खुलासा करते हुए सोमवार को दावा किया कि मृतका के पिता ने ही उसकी हत्या की थी।पुलिस के अनुसार, आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।एक अधिकारी ने बताया कि राया कट के पास लाल रंग के ट्रॉली बैग में मिली युवती की लाश की शिनाख्त कर ली गई है और यह शव आयुषी यादव (21) का है, जो दिल्ली के बदरपुर थाना क्षेत्र के मोड़बंद गांव की रहने वाली थी।

अधिकारी के मुताबिक, आयुषी की हत्या उसके पिता नीतेश यादव ने की है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में मृतका के भाई और मां ने खुलासा किया है कि नीतेश ने ही आयुषी को मारा है। इसके अलावा, हत्यारे

पिता ने भी अपना अपराध कबूल कर लिया है।पुलिस अधीक्षक (शहर) मार्तंड प्रकाश सिंह के अनुसार, युवती की शिनाख्त के लिए पुलिस ने बीस हजार से अधिक फोन ट्रेस किए और 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली। इसके साथ ही सोशल मीडिया और दिल्ली में जगह-जगह पोस्टर लगाकर युवती की पहचान कराने के प्रयास किए गए।

सिंह ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस के नंबर पर आए एक अज्ञात फोन से युवती के बारे में सही जानकारी प्राप्त हुई। युवती की तस्वीरों और उसके पास से मिले सामान से उसकी मां व भाई ने पहचान की पुष्टि कर दी।सिंह के अनुसार, जब पुलिस उन तीनों को लेकर मथुरा पहुंची तो मां व भाई ने मुर्दाघर में आयुषी का शव देखकर शिनाख्त कर दी। इस बीच, पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में पिता नीतेश यादव ने भी अपना अपराध कबूल कर लिया।सिंह के अनुसार, पूछताछ में आयुषी के परिवार से जानकारी मिली कि नीतेश ने उसकी घर में गोली मारकर हत्या कर दी थी।

उन्होंने बताया कि नीतेश मूलत: गोरखपुर के सुनारड़ी गांव का रहने वाला है और उसके पिता काम की तलाश में दिल्ली आ गए थे, जिसके बाद नीतेश भी वहीं बस गया और व्यापार करने लगा। उसकी बेटी आयुषी बीसीए की छात्रा थी।पुलिस के मुताबिक, आयुषी एक-दो दिन पहले परिवार को बिना बताए कहीं चली गई थी और जब वह 17 नवंबर को घर लौटी, तब उसकी इस हरकत से आग बबूला पिता ने अपनी पिस्तौल से गोली मारकर उसकी हत्या कर दी और उसी रात लाश को ट्रॉली बैग में रखकर यमुना एक्सप्रेस-वे पर फेंक गया।

गौरतलब है कि शुक्रवार को यमुना एक्सप्रेस-वे पर सर्विस रोड के पास झाडिय़ों में एक ट्रॉली बैग पड़ा मिला था, जिसमें एक युवती की लाश थी। रविवार तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी, लेकिन एक अज्ञात फोन कॉल से उसके बारे में जानकारी मिली, जो पड़ताल में सही निकली।पुलिस ने बताया कि आरोपी पिता हिरासत में है और उससे पूरे मामले से संबंधित जानकारी जुटाई जा रही है। हत्या में प्रयुक्त पिस्तौल पहले ही बरामद की जा चुकी है।अधिकारियों के मुताबिक, हत्या की वजह का पता लगाया जा रहा है और जल्द ही इसका भी खुलासा हो जाएगा। पुलिस ने 'ऑनर किलिंग' का मालमा होने का भी अंदेशा जताया है।

पति के साथ मिलकर प्रेमिका ने की प्रेमी की हत्या, शव के 6 टुकड़े कर अलग-अलग फेंके

बिहारशरीफ (आरएनएस)। बिहार के नालंदा जिले में एक युवक को विवाह के बाद भी अपने पुराने प्यार को नहीं भूलना महंगा पड़ गया। आरोप है कि उसकी प्रेमिका ने ही अपने पति के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी और शव को छह टुकड़ों में काटकर अलग-अलग स्थानो पर फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी पति और पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस ने नालंदा के नूरसराय थाना क्षेत्र में शुक्रवार को सडक़ किनारे एक बंद बोरे से मानव के दो हाथ और दो पैर बरामद किए। इसके बाद पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई।

जांच के क्रम में पता चला कि नांनद गांव निवासी विकास चौधरी (30) की हत्या कर दी गई है, जो गुरुवार से लापता था। पुलिस को फिर दीपनगर के सिपाह गांव स्थित पंचाने नदी से मृतक का धड़ मिला और पटना के पुनपुन स्थित नदी में बोरे में बंद विकास का सिर बरामद कर लिया। पुलिस ने जांच के दौरान प्रेम संबंध का पता चल गया। इसके बाद पुलिस को पूरे मामले की तह तक जाने में देर नहीं लगी। पुलिस ने तत्काल विवाहित प्रेमिका को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सबकुछ सामने आ गया। बताया गया कि विकास उससे मिलने ससुराल नूरसराय के बाराखुर्द गांव पहुंचा था। इसकी सूचना प्रेमिका के पति रंजन को चल गई। इसके बाद पति -पत्नी ने मिलकर विकास की हत्या कर दी और शव के 6 टुकड़े करके उन्हें अलग-अलग जगहों पर ठिकाने लगा दिया।

छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने देश की राजधानी दिल्ली में बांधा समां

❑ **दिल्ली के प्रगति मैदान में छत्तीसगढ़ राज्य दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का आयोजन**

नई दिल्ली/रायपुर (आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान में छत्तीसगढ़ के लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से समां बांधा। मौका था भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ राज्य दिवस पर सांस्कृतिक संध्या का, जहां एमफी थियेटर में छत्तीसगढ़ की लोक कला व संस्कृति की अनुपम छंटा बिखरी। कार्यक्रम का उदघाटन छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने किया। इससे पूर्व खाद्य व संस्कृति मंत्री ने छत्तीसगढ़ पवेलियन का अवलोकन किया, जहां अलग-अलग स्टॉलों का भ्रमण कर कलाकारों से जानकारी ली एवं उन्हें प्रोत्साहित किया। वहीं उन्होने कहा कि हमारी संस्कृति मिट जाएगी तो हमारी पहचान ही खत्म हो जाएगी। इसलिए बदलते परिवेश व विषम परिस्थिति में भी अपनी संस्कृति को बचा कर रखना है। इस तरह के आयोजन का अपनी संस्कृति, लोक कला के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रगति मैदान के एमफी थियेटर में छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति व कला के बड़ी संख्या में लोग आज साक्षी बने। दर्शकों ने भी भरपूर तालियां बजाकर कलाकारों का प्रोत्साहन किया। छत्तीसगढ़ से आये कलाकारों ने छत्तीसगढ़ में विभिन्न उत्सवों, तीज

त्योहारों पर किए जाने वाले नृत्यों की प्रस्तुति दी। सांस्कृतिक संध्या में खाद्य व संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत भी खुद को रोक नहीं सके। मंच पर पहुँच कर उन्होने भी कलाकारों के साथ मांदर पर थाप दिया। भिलाई से आए लोक रागनी दल के कलाकारों ने सबसे पहले देवी पूजन से नृत्य की शुरुआत की, जिसमें देवी द्वारा राक्षस के नरसंहार को दिखाया गया। महिला कलाकारों द्वारा भोजली नृत्य के बाद सुआ नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की नृत्य कौशल को प्रस्तुत किया। सुआ नृत्य मूलत: महिलाओं और किशोरियों का नृत्य है। इस नृत्य में महिलाएं एक टोकरी में सुआ (मिट्ठी का बना तोता) को रखकर उसके चारों ओर नृत्य करती हैं और सुआ गीत गाती हैं। हाँथ से या लकड़ी के टुकड़े से ताली बजाई जाती है। इस नृत्य के समापन पर शिव गौरी विवाह का आयोजन किया जाता हैं। जिसके बाद गेंडी नृत्य की प्रस्तुति की गयी। यह पुरुष प्रधान नृत्य है, जिसमें पुरुष तीव्र गति से व कुशलता के साथ गेड़ी पर शारीरिक संतुलन को बरकरार रखते हुए नृत्य करते हैं। यह नृत्य शारीरिक कौशल और संतुलन को प्रदर्शित करता है। बस्तर के जनजातियों द्वारा किये जाने वाले परब नृत्य की प्रस्तुति दी। यह नृत्य बस्तर में निवास करने वाले धुरवा जनजाति के द्वारा किया जाता है। इस नृत्य को सैनिक नृत्य कहा जाता है, क्योंकि नर्तक नृत्य के दौरान वीरता के प्रतीक चिन्ह कुल्हाड़ी व तलवार लिए होते हैं। इस नृत्य का आयोजन मड़ई के अवसर पर किया जाता है। वहीं, बस्तर के मारिया जनजाति के द्वारा जात्रा पर्व पर किए जाने वाला गौर नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस नृत्य में युवक सिर पर गौर के सिंह को कौडिय़ों से सजाकर उसका मुकुट बनाकर पहनते हैं। अत: इस नृत्य को गौर नित्य भी कहा जाता है। इस नृत्य में केवल पुरुष भाग लेते हैं। महिलाओं द्वारा केवल वाद्य यंत्र को बजाया जाता है जिसे तिर्तुडडी कहते हैं। इसके साथ ही कलाकारों ने छत्तीसगढ़ का पारम्परिक नृत्य करमा की प्रस्तुति डी। इसे करमा देव को प्रसन्न करने के लिए किया जाता है। इस नृत्य में पारंपरिक पोषक पहनकर लोग नृत्य करते है और छत्तीसगढ़ी गीत गाते है। सबसे अंत में उपकार पंथी नृत्य दल के कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से गुरु घासीदास के संदेशों को लोगों तक पहुंचाया। यह नृत्य कई चरणों और पैटर्न का एक संयोजन है। यह नृत्य न केवल इस क्षेत्र के लोक नृत्य के सबसे महत्वपूर्ण रूपों में से एक है, बल्कि इसे छत्तीसगढ़ के सतनामी समुदाय का एक प्रमुख रिवाज या समारोह भी माना जाता है।